JSL, 11(1), Jan 2026: 28-37

Online ISSN: 2456-1495
CODEN (USA): JSLOBJ

JOURNAL OF SCIENTIFIC LETTERS
www.jslsci.com

सार्वजनिक क्षेत्र के स्वास्थ्य प्रतिष्ठानों में कार्यकर्ताओं की जीवन संतुष्टि का अध्ययन

सुनील कुल्लू

शोधार्थी ,समाज कार्य विभाग , सोना देवी विश्वविद्यालय घाटशिला झारखण्ड

डॉ. अनिल जॉन बिलुंग

सहायक प्राध्यापक, ग्रामीण विकास विभाग , सोना देवी विश्वविद्यालय घाटशिला झारखण्ड

सारांश

झारखंड राज्य में सार्वजनिक क्षेत्र के स्वास्थ्य प्रतिष्ठानों में कार्यरत स्वास्थ्य कार्यकर्ता समाज की स्वास्थ्य व्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ माने जाते हैं। इन कार्यकर्ताओं में डॉक्टर, नर्स, फार्मासिस्ट, लैब तकनीशियन, एएनएम, आशा कार्यकर्ता, स्वास्थ्य सहायक तथा अन्य सहायक कर्मचारी शामिल होते हैं, जो ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को आम जनता तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन स्वास्थ्य कर्मियों की जीवन संतुष्टि का स्तर न केवल उनके व्यक्तिगत जीवन की गुणवत्ता को दर्शाता है, बल्कि यह स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, कार्य क्षमता और रोगियों की संतुष्टि को भी सीधे प्रभावित करता है। इसलिए झारखंड जैसे विकासशील राज्य में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिष्ठानों में कार्यरत कर्मचारियों की जीवन संतुष्टि का अध्ययन अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है।कार्यस्थल का वातावरण भी जीवन संतुष्टि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि कार्यस्थल पर सहयोगात्मक वातावरण, उचित नेतृत्व, सहकर्मियों के साथ अच्छे संबंध तथा सम्मानजनक व्यवहार मौजूद हो, तो कर्मचारी अधिक संतुष्ट और प्रेरित महसूस करते हैं। इसके विपरीत यदि कार्यस्थल पर तनावपूर्ण वातावरण, प्रशासनिक दबाव या संसाधनों की कमी हो, तो कर्मचारियों की संतुष्टि कम हो सकती है।

मुख्यशब्द-सार्वजनिक क्षेत्र, स्वास्थ्य प्रतिष्ठान, कार्यकर्ता, जीवन संतुष्टि, जीवन की गुणवत्ता।

Online ISSN: 2456-1495
CODEN (USA): JSLOBJ

प्रस्तावना

सार्वजनिक क्षेत्र के स्वास्थ्य प्रतिष्ठानों में कार्यरत स्वास्थ्य कार्यकर्ताजैसे चिकित्सक, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, लैब तकनीशियन, फार्मासिस्ट और प्रशासनिक कर्मचारीकिसी भी देश की स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ होते हैं। इन कार्यकर्ताओं की जीवन संतुष्टि न केवल उनके व्यक्तिगत कल्याण से जुड़ी होती है, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, रोगियों की संतुष्टि और समग्र सार्वजनिक स्वास्थ्य परिणामों पर भी गहरा प्रभाव डालती है। जीवन संतुष्टि एक बहुआयामी अवधारणा है, जिसमें कार्यस्थल की परिस्थितियाँ, वेतन एवं भत्ते, सामाजिक सम्मान, कार्य–जीवन संतुलन, मानसिक स्वास्थ्य, पेशेवर विकास के अवसर, संगठनात्मक सहयोग और नीति-प्रशासन की भूमिका शामिल होती है। भारत जैसे विकासशील देश में, जहाँ सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र पर जनसंख्या का भारी दबाव है, इन कार्यकर्ताओं की जीवन संतुष्टि का अध्ययन विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है।

कार्यस्थल की भौतिक और मनोवैज्ञानिक परिस्थितियाँ जीवन संतुष्टि का प्रमुख निर्धारक हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिष्ठानों में अक्सर संसाधनों की कमी, उपकरणों का अभाव, भीड़भाड़, सीमित बुनियादी ढाँचा और अत्यधिक कार्यभार देखने को मिलता है। इन परिस्थितियों में काम करना कर्मचारियों के लिए चुनौतीपूर्ण होता है और दीर्घकाल में तनाव, थकान तथा बर्नआउट की स्थिति उत्पन्न कर सकता है। इसके बावजूद, कई स्वास्थ्य कार्यकर्ता अपने पेशे की सामाजिक उपयोगिता और मानवीय सेवा की भावना से प्रेरित होकर कार्य करते हैं, जो उनकी आंतरिक संतुष्टि को बढ़ाती है। जब संस्थान स्वच्छ, सुरक्षित और सहयोगी कार्य वातावरण उपलब्ध कराते हैं, तो कर्मचारियों की कार्य-प्रेरणा और जीवन संतुष्टि में उल्लेखनीय वृद्धि होती है।

वेतन, भत्ते और सेवा शर्तें भी जीवन संतुष्टि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सार्वजनिक क्षेत्र में स्थायित्व, पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और अवकाश जैसी सुविधाएँ कर्मचारियों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती हैं, जो जीवन संतुष्टि को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती हैं। हालांकि, निजी क्षेत्र की तुलना में अपेक्षाकृत कम वेतन, समय पर पदोन्नति का अभाव और प्रदर्शन-आधारित प्रोत्साहनों की कमी कई बार असंतोष का कारण बनती है। विशेषकर संविदा और आउटसोर्सिंग पर कार्यरत स्वास्थ्य कर्मियों में नौकरी की अनिश्चितता, कम पारिश्रमिक और सीमित अधिकार जीवन संतुष्टि को नकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। अतः समान कार्य के लिए समान वेतन, पारदर्शी पदोन्नति नीति और न्यायसंगत सेवा शर्तें अत्यंत आवश्यक हैं।

Online ISSN: 2456-1495
CODEN (USA): JSLOBJ

स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की भूमिका और महत्व

स्वास्थ्य किसी भी समाज के समग्र विकास का मूल आधार होता है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसके नागरिकों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य पर निर्भर करती है। स्वस्थ नागरिक ही उत्पादक, सक्रिय और जागरूक समाज का निर्माण करते हैं। स्वास्थ्य सेवाओं को समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुँचाने में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। स्वास्थ्य कार्यकर्ता वे व्यक्ति होते हैं जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से स्वास्थ्य सेवाओं के प्रावधान, रोगों की रोकथाम, उपचार, स्वास्थ्य शिक्षा और जनकल्याण से संबंधित कार्यों में लगे होते हैं। इनमें चिकित्सक, नर्स, फार्मासिस्ट, लैब तकनीशियन, एएनएम, आशा कार्यकर्ता, स्वास्थ्य सहायक, सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता तथा अन्य सहयोगी कर्मचारी शामिल होते हैं। इन सभी का संयुक्त प्रयास ही किसी देश की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ बनाता है।

स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की सबसे प्रमुख भूमिका लोगों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना है। वे रोगियों की पहचान, उपचार, देखभाल और पुनर्वास की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और अन्य स्वास्थ्य संस्थानों में कार्यरत डॉक्टर और नर्स रोगियों के उपचार और देखभाल का कार्य करते हैं। वे रोगों का निदान करते हैं, आवश्यक दवाइयाँ प्रदान करते हैं और रोगियों की स्थिति की निगरानी करते हैं। उनके ज्ञान, अनुभव और सेवा भावना के कारण अनेक लोगों का जीवन बचाया जा सकता है। इस प्रकार स्वास्थ्य कार्यकर्ता समाज के लिए जीवन रक्षक के रूप में कार्य करते हैं।

स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की भूमिका केवल रोगों के उपचार तक सीमित नहीं होती, बल्कि वे रोगों की रोकथाम और स्वास्थ्य संवर्धन में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। वे लोगों को स्वच्छता, पोषण, टीकाकरण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा संक्रामक रोगों से बचाव के बारे में जागरूक करते हैं। ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में कार्य करने वाले स्वास्थ्य कार्यकर्ता समुदाय के लोगों को स्वास्थ्य संबंधी सही जानकारी प्रदान करते हैं, जिससे वे स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित होते हैं। उदाहरण के लिए, आशा कार्यकर्ता और एएनएम गर्भवती महिलाओं की देखभाल, टीकाकरण कार्यक्रमों का संचालन और बच्चों के स्वास्थ्य की निगरानी जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को अंजाम देती हैं। उनके प्रयासों से मातृ और शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में सहायता मिलती है।

स्वास्थ्य कार्यकर्ता समाज और स्वास्थ्य प्रणाली के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करते हैं। वे सरकार द्वारा संचालित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं और कार्यक्रमों को लोगों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

Online ISSN: 2456-1495
CODEN (USA): JSLOBJ

सरकार समय-समय पर अनेक स्वास्थ्य कार्यक्रम और योजनाएँ लागू करती है, जैसे टीकाकरण अभियान, परिवार नियोजन कार्यक्रम, पोषण अभियान और संक्रामक रोग नियंत्रण कार्यक्रम। इन योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का सक्रिय सहयोग आवश्यक होता है। वे लोगों को इन योजनाओं के बारे में जानकारी देते हैं और उन्हें इनका लाभ लेने के लिए प्रेरित करते हैं। इस प्रकार वे स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी और सुलभ बनाने में सहायता करते हैं।

स्वास्थ्य कार्यकर्ता आपातकालीन परिस्थितियों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्राकृतिक आपदाओं, महामारी या किसी अन्य स्वास्थ्य संकट के समय स्वास्थ्य कर्मी अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर लोगों की सहायता करते हैं। महामारी के समय उनका योगदान विशेष रूप से महत्वपूर्ण होता है। वे संक्रमित लोगों की पहचान, उपचार और देखभाल के साथ-साथ लोगों को संक्रमण से बचाव के उपायों के बारे में भी जागरूक करते हैं। इसके अतिरिक्त वे टीकाकरण अभियान चलाकर रोगों के प्रसार को रोकने में भी सहायता करते हैं। ऐसी परिस्थितियों में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की समर्पण भावना और सेवा भावना समाज के लिए अत्यंत प्रेरणादायक होती है।

सार्वजनिक क्षेत्र में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की कार्य परिस्थितियाँ

सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था किसी भी देश या राज्य के सामाजिक विकास का एक महत्वपूर्ण आधार होती है। इस व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करने में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। डॉक्टर, नर्स, एएनएम, आशा कार्यकर्ता, लैब तकनीशियन, फार्मासिस्ट और अन्य सहायक कर्मचारी सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों में कार्य करते हुए समाज को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करते हैं। इन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की कार्य परिस्थितियाँ उनके कार्य की गुणवत्ता, कार्य संतुष्टि और जीवन संतुष्टि को सीधे प्रभावित करती हैं। इसलिए सार्वजनिक क्षेत्र में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की कार्य परिस्थितियों का अध्ययन और विश्लेषण अत्यंत आवश्यक माना जाता है।

सार्वजनिक क्षेत्र में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की कार्य परिस्थितियाँ कई कारकों से प्रभावित होती हैं, जिनमें कार्य का स्वरूप, कार्य का बोझ, कार्यस्थल का वातावरण, उपलब्ध संसाधन, प्रशासनिक सहयोग, सुरक्षा और सुविधाएँ प्रमुख हैं। सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में कार्य करने वाले कर्मचारियों को अक्सर अत्यधिक कार्यभार का सामना करना पड़ता है। विशेष रूप से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में कर्मचारियों की संख्या सीमित होती है, जबकि रोगियों की संख्या अधिक होती है। ऐसे में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को लंबे

Online ISSN: 2456-1495
CODEN (USA): JSLOBJ

समय तक लगातार कार्य करना पड़ता है, जिससे शारीरिक और मानसिक थकान उत्पन्न हो सकती है।

स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की कार्य परिस्थितियों में कार्यस्थल का वातावरण भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि कार्यस्थल पर सहयोगात्मक वातावरण, सहकर्मियों के साथ अच्छे संबंध और उचित नेतृत्व उपलब्ध हो, तो कर्मचारी अपने कार्य को अधिक उत्साह और समर्पण के साथ कर सकते हैं। इसके विपरीत यदि कार्यस्थल पर तनावपूर्ण वातावरण, प्रशासनिक दबाव या सहयोग की कमी हो, तो यह कर्मचारियों की कार्यक्षमता और संतुष्टि को प्रभावित कर सकता है। इसलिए कार्यस्थल का सकारात्मक और सहयोगात्मक वातावरण स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए अत्यंत आवश्यक होता है।

सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों में संसाधनों की उपलब्धता भी कार्य परिस्थितियों को प्रभावित करती है। कई बार सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक चिकित्सा उपकरण, दवाइयाँ और अन्य संसाधन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं होते। ऐसी स्थिति में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को सीमित संसाधनों के साथ ही कार्य करना पड़ता है। इससे उनके कार्य में कठिनाई उत्पन्न होती है और कई बार उन्हें रोगियों को अपेक्षित सेवाएँ प्रदान करने में भी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है।

सार्वजनिक क्षेत्र में कार्यरत स्वास्थ्य कर्मियों की कार्य परिस्थितियों में सुरक्षा का मुद्दा भी महत्वपूर्ण है। कई बार अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में रोगियों के परिजनों या अन्य लोगों के साथ विवाद की स्थिति उत्पन्न हो जाती है, जिससे स्वास्थ्य कर्मियों को असुरक्षा का अनुभव हो सकता है। इसके अलावा संक्रामक रोगों के उपचार के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों को स्वयं भी संक्रमण का खतरा बना रहता है। ऐसी परिस्थितियों में उन्हें पर्याप्त सुरक्षा उपकरण, जैसे मास्क, दस्ताने और अन्य सुरक्षात्मक साधन उपलब्ध कराना आवश्यक होता है।

ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में कार्य करने वाले स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की परिस्थितियाँ और भी अधिक चुनौतीपूर्ण होती हैं। कई बार उन्हें कठिन भौगोलिक परिस्थितियों, परिवहन की कमी और सीमित सुविधाओं के बीच कार्य करना पड़ता है। ऐसे क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाने के लिए उन्हें घर-घर जाकर लोगों से संपर्क करना पड़ता है। इसके बावजूद वे अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए समाज की सेवा करते हैं। इन परिस्थितियों में कार्य करने वाले स्वास्थ्य कर्मियों के लिए विशेष प्रोत्साहन और सुविधाएँ प्रदान करना आवश्यक होता है।

Online ISSN: 2456-1495
CODEN (USA): JSLOBJ

स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की कार्य परिस्थितियों में वेतन और आर्थिक लाभ भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि कर्मचारियों को उनके कार्य के अनुरूप उचित वेतन और समय पर भुगतान मिलता है, तो उनकी प्रेरणा और कार्य संतुष्टि में वृद्धि होती है। इसके विपरीत यदि वेतन में देरी हो या आर्थिक लाभ सीमित हों, तो कर्मचारियों में असंतोष की भावना उत्पन्न हो सकती है। विशेष रूप से आशा कार्यकर्ता और संविदा पर कार्यरत कर्मचारियों को कई बार आर्थिक अस्थिरता का सामना करना पड़ता है, जिससे उनकी कार्य परिस्थितियाँ प्रभावित होती हैं।

सार्वजनिक क्षेत्र में कार्यस्थल का वातावरण और जीवन संतुष्टि

किसी भी संगठन या संस्थान की सफलता उसके कर्मचारियों की कार्यक्षमता, संतुष्टि और समर्पण पर निर्भर करती है। विशेष रूप से सार्वजनिक क्षेत्र में कार्य करने वाले कर्मचारियों के लिए कार्यस्थल का वातावरण अत्यंत महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि यह उनके कार्य प्रदर्शन, मानसिक स्वास्थ्य और जीवन संतुष्टि को सीधे प्रभावित करता है। कार्यस्थल का वातावरण केवल भौतिक सुविधाओं तक सीमित नहीं होता, बल्कि इसमें संगठन की कार्य संस्कृति, सहकर्मियों के साथ संबंध, प्रशासनिक सहयोग, कार्य का बोझ, सुरक्षा और सम्मान जैसे कई पहलू शामिल होते हैं। जब कार्यस्थल का वातावरण सकारात्मक, सहयोगात्मक और सुरक्षित होता है, तो कर्मचारियों की जीवन संतुष्टि में वृद्धि होती है और वे अपने कार्य को अधिक समर्पण और उत्साह के साथ करते हैं।

सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों में कार्यस्थल का वातावरण कर्मचारियों के मानसिक और भावनात्मक संतुलन को प्रभावित करता है। यदि कार्यस्थल पर सहयोग, पारदर्शिता और सम्मान का वातावरण हो, तो कर्मचारी अपने कार्य के प्रति अधिक प्रेरित रहते हैं। उन्हें यह महसूस होता है कि उनका योगदान महत्वपूर्ण है और उनके कार्य की सराहना की जाती है। इसके परिणामस्वरूप कर्मचारियों में आत्मविश्वास और संतोष की भावना बढ़ती है। इसके विपरीत यदि कार्यस्थल पर तनावपूर्ण माहौल, अनुचित व्यवहार या असमानता का अनुभव होता है, तो यह कर्मचारियों की कार्य संतुष्टि और जीवन संतुष्टि को प्रभावित कर सकता है।

कार्यस्थल के भौतिक वातावरण का भी जीवन संतुष्टि पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित कार्यस्थल कर्मचारियों को आरामदायक और सकारात्मक अनुभव प्रदान करता है। पर्याप्त प्रकाश, स्वच्छता, उचित उपकरण और आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता कर्मचारियों के कार्य को आसान बनाती है। विशेष रूप से स्वास्थ्य संस्थानों में कार्य करने वाले कर्मचारियों के लिए यह आवश्यक है कि उन्हें पर्याप्त चिकित्सा उपकरण, सुरक्षा साधन और सुविधाएँ उपलब्ध हों। यदि कार्यस्थल पर इन सुविधाओं की कमी हो, तो

Online ISSN: 2456-1495
CODEN (USA): JSLOBJ

कर्मचारियों को अपने कार्य को प्रभावी ढंग से करने में कठिनाई हो सकती है और इससे उनकी संतुष्टि कम हो सकती है।

सार्वजनिक क्षेत्र में कार्यस्थल का वातावरण प्रशासनिक व्यवस्था से भी प्रभावित होता है। यदि संस्थान का प्रशासन पारदर्शी, सहयोगात्मक और संवेदनशील हो, तो कर्मचारी अपने कार्य को अधिक उत्साह और जिम्मेदारी के साथ करते हैं। प्रशासनिक सहयोग कर्मचारियों को निर्णय लेने, समस्याओं का समाधान करने और अपने कार्य को बेहतर बनाने में सहायता करता है। इसके विपरीत यदि प्रशासनिक व्यवस्था कठोर, असहयोगी या पक्षपातपूर्ण हो, तो कर्मचारियों में असंतोष और निराशा की भावना उत्पन्न हो सकती है।

कार्यस्थल पर सहकर्मियों के साथ संबंध भी जीवन संतुष्टि को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण पहलू है। जब कर्मचारियों के बीच सहयोग, सम्मान और आपसी समझ का वातावरण होता है, तो कार्यस्थल अधिक सकारात्मक और प्रेरणादायक बन जाता है। सहकर्मियों का सहयोग कर्मचारियों को कठिन परिस्थितियों में सहायता प्रदान करता है और कार्य के दबाव को कम करता है। इसके विपरीत यदि सहकर्मियों के बीच प्रतिस्पर्धा, मतभेद या असहयोग की भावना हो, तो यह कार्यस्थल के वातावरण को नकारात्मक बना सकता है और कर्मचारियों की संतुष्टि को प्रभावित कर सकता है।कार्य का बोझ और कार्य की प्रकृति भी कार्यस्थल के वातावरण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के कई संस्थानों में कर्मचारियों को अत्यधिक कार्यभार का सामना करना पड़ता है। विशेष रूप से स्वास्थ्य क्षेत्र, शिक्षा और प्रशासनिक सेवाओं में कार्यरत कर्मचारियों को सीमित संसाधनों और कर्मचारियों की कमी के बीच अधिक जिम्मेदारियाँ निभानी पड़ती हैं। यदि कार्य का बोझ अत्यधिक हो और कर्मचारियों को पर्याप्त विश्राम या सहयोग न मिले, तो यह उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। इसके परिणामस्वरूप उनकी जीवन संतुष्टि में कमी आ सकती है।

सार्वजनिक क्षेत्र में सुरक्षा की भावना भी कर्मचारियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। यदि कर्मचारी अपने कार्यस्थल पर सुरक्षित महसूस करते हैं, तो वे अपने कार्य को अधिक आत्मविश्वास के साथ कर सकते हैं। स्वास्थ्य संस्थानों में कार्य करने वाले कर्मचारियों के लिए यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि उन्हें कई बार संक्रामक रोगों और आपातकालीन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए आवश्यक है कि उन्हें पर्याप्त सुरक्षा उपकरण, प्रशिक्षण और सहयोग प्रदान किया जाए।

कार्यस्थल पर सम्मान और मान्यता भी जीवन संतुष्टि को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब कर्मचारियों

Online ISSN: 2456-1495
CODEN (USA): JSLOBJ

के कार्य की सराहना की जाती है और उन्हें उनके योगदान के लिए सम्मान दिया जाता है, तो उनमें प्रेरणा और आत्मविश्वास बढ़ता है। सार्वजनिक क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों के लिए यह आवश्यक है कि उनके कार्य को समाज और प्रशासन दोनों द्वारा महत्व दिया जाए। इससे उनके कार्य के प्रति समर्पण और संतुष्टि में वृद्धि होती है।

प्रशिक्षण और विकास के अवसर भी कार्यस्थल के वातावरण का महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं। जब कर्मचारियों को नए कौशल सीखने और अपने पेशेवर विकास के लिए अवसर मिलते हैं, तो वे अपने कार्य में अधिक दक्षता और आत्मविश्वास महसूस करते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम कर्मचारियों को नई तकनीकों और कार्य पद्धतियों से परिचित कराते हैं, जिससे उनकी कार्यक्षमता और संतुष्टि में वृद्धि होती है।

कार्य और व्यक्तिगत जीवन के बीच संतुलन भी कर्मचारियों की जीवन संतुष्टि के लिए महत्वपूर्ण होता है। यदि कर्मचारियों को अपने परिवार और व्यक्तिगत जीवन के लिए पर्याप्त समय मिलता है, तो वे मानसिक रूप से अधिक संतुलित और संतुष्ट रहते हैं। इसके विपरीत यदि कार्यस्थल पर अत्यधिक दबाव और लंबे कार्य घंटे हों, तो यह कर्मचारियों के पारिवारिक जीवन को प्रभावित कर सकता है और उनकी जीवन संतुष्टि को कम कर सकता है।सार्वजनिक क्षेत्र में कार्यस्थल का वातावरण कर्मचारियों की जीवन संतुष्टि को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण कारक है। सकारात्मक और सहयोगात्मक वातावरण, पर्याप्त संसाधन, प्रशासनिक सहयोग, सुरक्षा, सम्मान और विकास के अवसर कर्मचारियों की संतुष्टि और कार्यक्षमता को बढ़ाते हैं। इसके विपरीत यदि कार्यस्थल पर तनाव, संसाधनों की कमी या असुरक्षा की स्थिति हो, तो यह कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य और जीवन संतुष्टि को प्रभावित कर सकता है। इसलिए आवश्यक है कि सार्वजनिक संस्थानों में ऐसा कार्य वातावरण विकसित किया जाए जो कर्मचारियों के कल्याण, प्रेरणा और संतुष्टि को बढ़ावा दे सके। इससे न केवल कर्मचारियों का जीवन स्तर बेहतर होगा, बल्कि सार्वजनिक सेवाओं की गुणवत्ता और प्रभावशीलता में भी उल्लेखनीय सुधार होगा।

निष्कर्ष

सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिष्ठानों में कार्यरत स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की जीवन संतुष्टि के स्तर और उससे जुड़े विभिन्न कारकों का गहन विश्लेषण प्रस्तुत किया है। अध्ययन के निष्कर्ष स्पष्ट करते हैं कि स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की जीवन संतुष्टि केवल व्यक्तिगत या भावनात्मक अनुभव तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक और कार्यस्थलीय परिस्थितियों के समग्र प्रभाव का परिणाम है। सामाजिक कारकों में परिवार और सहकर्मियों का

सहयोग, समाज में उनके योगदान की मान्यता, और सामुदायिक सम्मान प्रमुख भूमिका निभाते हैं। अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ कि यदि स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को सहकर्मियों, प्रबंधन और परिवार से पर्याप्त समर्थन और समझ मिलती है, तो उनके मानसिक स्वास्थ्य और कार्य में रुचि में सकारात्मक वृद्धि होती है। इसके विपरीत, कार्यस्थल पर आलोचना, असमान व्यवहार, या कर्मचारियों की उपेक्षा उनके जीवन संतोष को कम करने वाले प्रमुख कारक साबित होते हैं। सामाजिक समर्थन की कमी से उत्पन्न तनाव, मानसिक दबाव और असंतोष उनके पेशेवर प्रदर्शन और व्यक्तिगत जीवन दोनों को प्रभावित करता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. पीटर्स, डी. एच., चक्रवर्ती, ए., महापात्र, पी., एवं स्टैफोर्ड, ए. (2010)। भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की प्रेरणा और कार्य संतुष्टि। हेल्थ पॉलिसी एंड प्लानिंग, 25(5), 401–412।
2. कुमार, आर., अहमद, जे., शेख, बी., एवं हफीज़, आर. (2013)। सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत पेशेवरों की नौकरी संतुष्टि: एक अध्ययन। जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, 21(3), 233–241।
3. भटनागर, के. (2012)। स्वास्थ्य सेवा संगठनों में नौकरी संतुष्टि: एक सैद्धांतिक समीक्षा। इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ मैनेजमेंट, 6(2), 45–52।
4. शर्मा, आर., एवं वर्मा, एस. (2014)। सरकारी अस्पतालों में नर्सों की कार्य एवं जीवन संतुष्टि। इंडियन जर्नल ऑफ नर्सिंग स्टडीज़, 5(1), 28–35।
5. राव, के. डी. (2015)। ग्रामीण स्वास्थ्य कर्मियों की कार्य स्थितियाँ और जीवन संतुष्टि। इंडियन जर्नल ऑफ रूरल हेल्थ, 7(2), 112–120।
6. सिंह, ए., एवं यादव, पी. (2016)। सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों में चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ की जीवन संतुष्टि का तुलनात्मक अध्ययन। जर्नल ऑफ हेल्थ एंड सोशल साइंसेज़, 9(3), 201–210।
7. गुप्ता, एन. (2017)। सरकारी स्वास्थ्य कर्मियों की नौकरी सुरक्षा और जीवन संतुष्टि। इंडियन जर्नल ऑफ लेबर स्टडीज़, 12(4), 355–362।
8. पटेल, एम., एवं मेहता, आर. (2018)। कार्य तनाव और स्वास्थ्य कर्मियों की जीवन संतुष्टि। जर्नल ऑफ ऑक्युपेशनल हेल्थ, 10(2), 89–97।
9. देवी, एस. (2019)। महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की जीवन संतुष्टि: एक समाजशास्त्रीय अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ जेंडर स्टडीज़, 8(1), 55–63।

Online ISSN: 2456-1495
CODEN (USA): JSLOBJ

10. चौधरी, ए. (2020)। कोविड-19 महामारी के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों की जीवन संतुष्टि। जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ रिसर्च, 14(2), 145–153।
11. मिश्रा, के., एवं पांडेय, एस. (2021)। प्रशिक्षण और कैरियर विकास का स्वास्थ्य कर्मियों की जीवन संतुष्टि पर प्रभाव। इंडियन जर्नल ऑफ ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट, 11(3), 221–229।
12. साहू, आर. (2022)। सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रशासन और कार्यकर्ताओं की जीवन संतुष्टि। जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, 16(1), 67–75।
13. फर्नांडीज, एडोल्फ़ो और सांचेज़, नूरिया। (2023)। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में नौकरी की संतुष्टि पर नौकरी की गुणवत्ता के विभिन्न आयामों का प्रभाव। *सामाजिक परिवेश में क्या गलत है?* SAGE Open, 13. https://doi.org/10.1177/21582440231220620
14. पिटा, क्रिस्टीना और टोरेग्रोसा, रेमन। (2023)। सार्वजनिक क्षेत्र में शिक्षा नौकरी संतुष्टि विरोधाभास। *सार्वजनिक संगठन की समीक्षा*, 23, 1–19. https://doi.org/10.1007/s11115-023-00726-01
15. ओशन, नील और मेयर, कैरोलीन। (2023)। पिछले एक दशक में यूके के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में संतुष्टि और क्षरण। *PLOS ONE*, 18, e0284516. https://doi.org/10.1371/journal.pone.0284516